

३३
२४

पत्रावली येशू ख्रीस्ती की लजाही व वाही
में आवान लगाई गरी बार-बार आवान
लगाए के बावजूद भी कभी लजाही व वाही
न्यायालय में छोड़ि नहीं देने पर वाही
का वाह अहम हालती अहम बेरवी में
खारिज किया जाना ही पत्रावली के लाल श्रुत
होकर नम्बर से कम होकर टाखिलहफ्तार
हो।

